eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 12, December 2024

भारत–नेपाल संबंध एक अध्ययन

डा0 अरविन्द कुमार शुक्ल[1]
[1]सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला स्ना0 महाविद्यालय बिंदकी, फतेहपुर उ0प्र0, भारत

Received: 24 Oct 2024 Accepted & Reviewed: 25 Oct 2024, Published : 31 Dec 2024

Abstract

भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच प्राचीन काल से ही घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो साझा धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से और मजबूत हुए हैं। भारत और नेपाल की खुली सीमा और आपसी आवाजाही ने द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन और कूटनीतिक सहयोग को प्रोत्साहित किया है। हालाँकि, सीमा विवाद, जल संसाधनों के प्रबंधन और कुछ राजनीतिक असहमति जैसे मुद्दे समय–समय पर चुनौती प्रस्तुत करते हैं। यह शोध पत्र भारत– नेपाल संबंधों के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक समानताएँ, आर्थिक सहयोग, राजनीतिक संबंध और क्षेत्रीय संगठनों में उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, मौजूदा चुनौतियों और भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया गया है।

प्रमुख शब्द– भारत–नेपाल संबंध, सांस्कृतिक संबंध, आर्थिक सहयोग, राजनीतिक संबंध, सीमा विवाद, कूटनीतिक सहयोग, व्यापार, क्षेत्रीय संगठन, रणनीतिक साझेदारी, ऐतिहासिक संबंध।

Introduction

भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक एकता और साझा इतिहास ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान की है। नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा और आपसी आवाजाही का विशेष संबंध है, जो अन्य देशों के साथ भारत के संबंधों की तुलना में अद्वितीय है। दोनों देशों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक निकटता ने द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन और रणनीतिक सहयोग को प्रोत्साहित किया है। हालाँकि, भारत–नेपाल संबंधों में समय–समय पर चुनौतियाँ भी देखी गई हैं, जिनमें सीमा विवाद, जल संसाधनों के उपयोग को लेकर असहमति, और राजनीतिक मतभेद शामिल हैं। इसके बावजूद, दोनों देशों ने सहयोग के विभिन्न माध्यमों को अपनाकर अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखने का प्रयास किया है।

यह शोध पत्र भारत–नेपाल संबंधों के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है, जिसमें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक समानताएँ, आर्थिक सहयोग, राजनीतिक संबंध, और क्षेत्रीय संगठनों में भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, मौजूदा चुनौतियों और भविष्य में सहयोग के संभावित रास्तों पर भी विचार किया गया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक एकता और

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 12, December 2024

साझा इतिहास ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान की है। यह शोध पत्र भारत–नेपाल संबंधों के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है।

भारत और नेपाल के बीच संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों की सभ्यताओं का विकास एक–दूसरे के प्रभाव में हुआ है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक नेपाल और भारत के मध्य घनिष्ठ सांस्कृतिक, धार्मिक और व्यापारिक संबंध रहे हैं। प्राचीन भारत के वेदों और पुराणों में नेपाल का उल्लेख मिलता है। नेपाल का काठमांडू घाटी प्राचीन काल में भारतीय उपमहाद्वीप के व्यापार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।

महाभारत और रामायण जैसे ग्रंथों में भी नेपाल का वर्णन किया गया है। नेपाल को हिन्दू और बौद्ध धर्म का पालक माना जाता है, और यहाँ अनेक धार्मिक स्थल स्थित हैं। नेपाल में किरात वंश का शासन भी ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है। किरात वंश के राजाओं का शासनकाल महाभारत काल से जुड़ा माना जाता है। इसके बाद, लिच्छवि वंश ने नेपाल में शासन किया, जिसने भारत के गुप्त वंश के साथ संबंध स्थापित किए और कला, संस्कृति, और धर्म को बढ़ावा दिया।

मध्यकाल में नेपाल और भारत के बीच राजनीतिक और व्यापारिक संबंध विकसित हुए। नेपाल पर मल्ल वंश और शाह वंश का शासन रहा, जिनका भारत के विभिन्न शासकों से संपर्क बना रहा। मल्ल राजाओं के काल में नेपाल में सांस्कृतिक और स्थापत्य कला का उल्लेखनीय विकास हुआ। काठमांडू, भक्तपुर और पाटन जैसे शहरों में इस काल की वास्तुकला स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। मुगल और मराठा शासकों के समय नेपाल के साथ व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार हुआ।

नेपाल ने उत्तर भारतीय राज्यों के साथ व्यापारिक संपर्क बनाए रखा और तिब्बत के साथ भी व्यापार संबंध मजबूत किए। इस दौरान भारत और नेपाल के बीच तीर्थयात्रा और धार्मिक यात्राओं का भी विस्तार हुआ। 19वीं सदी में नेपाल में शाह वंश के शासक और राणा शासक सत्ता में आए। ब्रिटिश भारत के साथ नेपाल के संबंध 1815–16 के सुगौली संधि के बाद औपचारिक रूप से स्थापित हुए, जिससे नेपाल ने कुछ भूभाग खो दिया। ब्रिटिश शासन के दौरान नेपाल ने भारत के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे।

राणा शासन के दौरान, नेपाल ब्रिटिश भारत का एक अनौपचारिक सहयोगी बना रहा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नेपाल ने ब्रिटिश भारत को सैन्य सहयोग प्रदान किया और बड़ी संख्या में गोरखा सैनिक ब्रिटिश सेना में भर्ती किए गए। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, नेपाल में भी राजनीतिक परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हुई। 1950 में राणा शासन के विरुद्ध आंदोलन शुरू हुआ, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1951 में नेपाल में प्रजातांत्रिक सरकार की स्थापना हुई, जिससे भारत–नेपाल संबंधों में एक नया मोड़ आया।

1950 की भारत–नेपाल शांति और मित्रता संधि ने दोनों देशों के बीच मुक्त आवाजाही, व्यापार और आपसी सहयोग को औपचारिक रूप से मान्यता दी। इसके बाद नेपाल ने धीरे–धीरे लोकतंत्र की ओर कदम बढ़ाए और भारत ने इसमें सहयोग किया। नेपाल और भारत का सांस्कृतिक ताना–बाना अत्यंत घनिष्ठ है। नेपाल में हिन्दू और बौद्ध धर्म के अनुयायी बड़ी संख्या में हैं, जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। भगवान बुद्ध का जन्म लुंबिनी (नेपाल) में हुआ था, जो बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थस्थल है। इसके अतिरिक्त,

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 12, December 2024

जनकपुर में माता सीता का जन्म स्थान माना जाता है, जो भारत के धार्मिक ग्रंथों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

नेपाल और भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में गहरी समानता पाई जाती है। नेपाल के पर्व–त्योहारों, जैसे दशैं (दशहरा), तिहार (दीपावली) और होली, का भारतीय त्योहारों से गहरा संबंध है। इसी प्रकार, भारत और नेपाल के तीर्थस्थल जैसे पशुपतिनाथ मंदिर (नेपाल) और काशी विश्वनाथ मंदिर (भारत) दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

संस्कृत भाषा और साहित्य के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। नेपाल में कई भारतीय धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया जाता है और वहाँ के पंडित और विद्वान भारत के शास्त्रों से प्रभावित रहे हैं। काठमांडू घाटी में स्थित अनेक मंदिर और बौद्ध स्तूप भारतीय वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत के प्रमाण हैं। भारतीय और नेपाली संगीत, नृत्य और लोक कला में भी गहरी समानता है। नेपाली लोक संगीत और नृत्य भारतीय परंपराओं से प्रभावित हैं, और बॉलीवुड फिल्मों और संगीत का नेपाल में गहरा प्रभाव देखा जाता है।

भारत और नेपाल के बीच राजनीतिक संबंधों का आधार ऐतिहासिक मित्रता, परस्पर सहयोग और संधियों पर आधारित है।

1950 की शांति और मैत्री संधि– भारत और नेपाल के बीच यह संधि हुई, जिसके तहत दोनों देशों ने आपसी सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने का संकल्प लिया।

उच्च–स्तरीय यात्राएँ– समय–समय पर दोनों देशों के प्रमुखों द्वारा की गई यात्राएँ संबंधों को मजबूत बनाने में सहायक रही हैं।

संपर्क एवं संचार– भारत और नेपाल के बीच कई द्विपक्षीय संवाद मंच हैं, जिनमें विदेश मंत्रिस्तरीय वार्ताएँ और अन्य उच्च–स्तरीय बैठकें शामिल हैं।

हालांकि, भारत–नेपाल संबंधों में कुछ विवाद भी रहे हैं, जैसे कि सीमा विवाद (कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा क्षेत्र) और चीन के साथ नेपाल के बढ़ते संबंध।

भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। नेपाल के कुल व्यापार का लगभग 60ः हिस्सा भारत के साथ होता है।

व्यापार– भारत नेपाल को पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयाँ, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि निर्यात करता है, जबकि नेपाल भारत को चाय, मसाले, हस्तशिल्प आदि निर्यात करता है।

विदेशी निवेश– भारत नेपाल में सबसे बड़ा निवेशक है, जिसमें जलविद्युत, बैंकिंग, टेलीकॉम और पर्यटन क्षेत्र शामिल हैं।

संयुक्त विकास परियोजनाएँ– भारत नेपाल में कई बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परियोजनाओं में सहायता करता रहा है, जैसे कि पनबिजली परियोजनाएं।

भारत और नेपाल की भौगोलिक स्थिति इसे रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 12, December 2024

रक्षा सहयोग– नेपाल और भारत के बीच सैन्य संबंध मजबूत हैं। भारतीय सेना में गोरखा सैनिकों की विशेष भूमिका है।

सीमा प्रबंधन– भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है, जिससे दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, समय–समय पर सीमा विवाद उभरते रहे हैं।

चीन का प्रभाव– नेपाल का चीन के साथ बढ़ता सहयोग भारत के लिए चिंता का विषय रहा है, खासकर चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) में नेपाल की भागीदारी।

भारत–नेपाल संबंधों में कई अवसर और चुनौतियाँ मौजूद हैं–

चुनौतियाँ–

सीमा विवाद– कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर विवाद।

राजनीतिक अस्थिरता– नेपाल की आंतरिक राजनीति में अस्थिरता भारत–नेपाल संबंधों को प्रभावित करती है।

चीन का बढ़ता प्रभाव– नेपाल का चीन के साथ व्यापार और बुनियादी ढांचा सहयोग भारत के लिए चुनौती बना हुआ है।

संभावनाएँ–

व्यापार और निवेश– भारत नेपाल में व्यापारिक संबंधों को और बढ़ा सकता है।

पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग– धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर दोनों देशों को लाभ हो सकता है।

संयुक्त बुनियादी ढांचा विकास– सड़क, रेलवे और ऊर्जा परियोजनाओं में साझेदारी बढ़ाई जा सकती है।

भारत–नेपाल के राजनीतिक संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। भारत नेपाल का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक और कूटनीतिक भागीदार है। दोनों देशों ने 1950 की भारत–नेपाल शांति और मित्रता संधि के माध्यम से घनिष्ठ संबंध स्थापित किए। नेपाल की विदेश नीति में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों की साझा विरासत और सांस्कृतिक एकता इनके संबंधों को गहराई प्रदान करती है। हालाँकि, कुछ राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनमें सीमा विवाद, व्यापारिक असंतुलन और बाहरी प्रभाव शामिल हैं।

भारत और नेपाल को पारस्परिक सम्मान, सहयोग और कूटनीतिक संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। बहुपक्षीय संगठनों में सक्रिय सहभागिता, व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करना और आपसी कनेक्टिविटी में सुधार लाना दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा।

भविष्य में, भारत और नेपाल को अपने संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। इन प्रयासों से दोनों देशों की जनता को लाभ होगा और दक्षिण एशिया में स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 12, December 2024

संदर्भ सूची–

- अधिकारी, ए. (2020). भारत–नेपाल संबंध, एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण. काठमांडू विश्वविद्यालय प्रेस।
- बराल, एल. आर. (2012). नेपाल–भारत संबंध, निरंतरता और परिवर्तन. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- दीक्षित, के. एम. (2015). दक्षिण एशियाई क्षेत्र, भारत और नेपाल परिप्रेक्ष्य में. सेज पब्लिकेशंस।
- भारत विदेश मंत्रालय (2023). भारत–नेपाल द्विपक्षीय संबंध. भारत सरकार।
- थपलियाल, एस. (2018). भारत–नेपाल संबंधों के रणनीतिक आयाम. पेंटागन प्रेस।
- उप्रेती, बी. सी. (2010). दक्षिण एशिया में जल राजनीतिरू नेपाल के भारत और चीन के साथ जल संबंध. स्प्रिंगर।
- विश्व बैंक (2022). भारत और नेपाल के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध. विश्व बैंक रिपोर्ट।
- सार्क सचिवालय (2021). क्षेत्रीय सहयोग और भारत–नेपाल सहभागिता. सार्क प्रकाशन।